[अनुवाद]

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : महोदय, निम्नलिखित विषयों को अगले सप्ताह की कार्यसूची में शामिल करने की कृपा करें :–

1. कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्यों विशेषकर महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु तथा राजस्थान में, जहां वर्तमान में भूमिगत जल स्तर में 6008 क्यूबिक मीटर (1947) से 500 क्यूबिक मीटर तक की तीव्र गिरावट आई है भूमिगत जल के अभाव में उत्पन्न गंभीर स्थिति।

2. मारिशस के साथ हुए कर संबंधी समझौते का तथाकथित दुरुपयोग, जिसके परिणामस्वरूप भारत को 30,000 करोड़ रुपये की हानि हुई। अतः सरकार को मारिशस तथा अन्य देशों के साथ किए गए कर समझौते की तत्काल समीक्षा करनी चाहिए।

श्री किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : महोदय, निम्नलिखित मदों को भी अगले सप्ताह की कार्य सूची में शामिल की जाए :

1. मुम्बई में एम. आर. वी. सी. के कार्यकरण तथा रेलवे लाइन के साथ सटी झुग्गी झोंपड़ियों का पुनर्वास।

2. महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड में सेलुलर सेवाओं का आरंभ किया जाना।

[हिन्दी]

श्री राजीव प्रताप रूडी (छपरा) : अध्यक्ष महोदय, मैं बड़ा भयभीत अवस्था में इसको पढ़ रहा हूं। इस प्रकार से जब माननीय सदस्य हमारे सदस्यों को कहेंगी तो हम भयभीत हो जाते हैं। ..... *(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय, अगले सप्ताह की कार्य सूची में निम्न मदों को सम्मिलित किया जाय।

बिहार राज्य का बंटवारा हो जाने के बाद उस क्षेत्र की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक विशेष पैकेज पर विचार किया जाना।.....*(व्यवधान)*

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : लेकिन आपने इस पैकेज में संशोधन के विरुद्ध मत दिया है, आप सभी ने इसके विरुद्ध मत दिया.....*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उस समय बंधुआ मजदूर थे। .....*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

श्री राजीव प्रताप रूडी : अब, हम उस पैकेज को चाहते हैं। चूंकि विधेयक पास कर दिया गया है, हम प्रजातांत्रिक हैं, हमारी सरकार हमारी सहायता करने जा रही है, इसलिए हम इस पर विस्तार से विचार करने जा रहे हैं।

मेरे द्वारा पेश प्रस्ताव का दूसरा विषय निम्न है।

दिल्ली एवं देश के अन्य भागों में यातायात अव्यवस्था, दुर्घटना और चालकों के अनियत व्यवहार से संबंधित सड़क समस्याओं के मुद्दे पर विचार विमर्श।

महोदय, सड़क पर अव्यवस्था से देश में अनेक समस्याएं पैदा हो रही हैं। यह अगले सप्ताह की कार्य सूची में शामिल किया जाना चाहिए।

.....*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा नीति, जनसंख्या नीति, विदेश नीति और कारगिल रिपोर्ट पर भी चर्चा होनी चाहिए।

अपराह्न 12.10 बजे

प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

जम्मू कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर हाल में हुए नरसंहार और पहलगाम में तीर्थयात्रियों के नरसंहार से उत्पन्न स्थिति

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : अब, माननीय प्रधानमंत्री अपना वक्तव्य देंगे।

अपराह्न 12.10 बजे

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : मैंने जम्मू व कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर हाल ही में हुए नरसंहार और पहलगांव में हुई तीर्थ यात्रियों की हत्या से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए गुरुवार, दिनांक 3 अगस्त, 2000 को पहलगांव और श्रीनगर का दौरा किया। मैं, श्रीमती सोनिया गांधी, श्री सोमनाथ चटर्जी, श्री मुलायम सिंह यादव, श्री येरन नायडू और श्री गुलाम नबी आजाद का आभारी हूं कि वे इतनी अल्प–सूचना पर मेरे साथ वहां चलने पर सहमत हो गए। मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी श्री जार्ज फर्नांडीज, सुश्री ममता बैनर्जी तथा श्री चमन लाल गुप्ता और सेनाध्यक्ष भी मेरे साथ गए। श्रीनगर से जम्मू व कश्मीर के राज्यपाल और मुख्य मंत्री भी हमारे साथ गए।

हम राज्य के लोगों को यह भरोसा दिलाने कि इस घड़ी में पूरा राष्ट्र उनके साथ है, तथा राज्य के निर्दोष लोगों और देश के अन्य भागों से अमरनाथ की यात्रा पर गए तीर्थयात्रियों के साथ आतंकवादियों के अमानवीय बर्ताव से उन्हें पहुंचे दुख में भागीदार बनने के लिए भी वहां गए थे।

एकीकृत कमान के प्रमुख तथा सुरक्षा बलों से हुई हमारी बातचीत के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि इन जघन्य अपराधों में शामिल लोग विदेशी आतंकवादी थे। उनसे बरामद किए गए हथियारों और गोला–बारूद से यह प्रमाण मिलता है कि उनके संबंध पाकिस्तान में लश्कर–ए–तोएबा से हैं।

स्थानीय लोगों के शिष्टमंडल तथा तीर्थयात्री मुझसे मिले थे और उन्होंने हत्याकांड के फलस्वरूप उन्हें हो रही कठिनाइयों के बारे में मुझे बताया।

मुझे विश्वास है कि यह सदन जम्मू व कश्मीर तथा राष्ट्र के लोगों को यह भरोसा दिलाने में मेरे साथ है कि हम आतंकवाद के सामने नहीं झुकेंगे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जहां आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष जारी रखा जाएगा, वहीं भारत जम्मू और कश्मीर में शांति की बहाली के लिए अपने प्रयासों को भी जारी रखेगा।

मैंने श्रीनगर में यह बात स्पष्ट की थी कि हिजबुल मुजाहिदीन के साथ हमारी बातचीत इसी प्रयास का एक हिस्सा है। अन्य सगठनों, जिन्होंने हिंसा का रास्ता चुना है, को भी यह बात समझ लेनी चाहिए कि जम्मू व कश्मीर के लोग राज्य में शांति चाहते हैं। हिंसा के रास्ते पर चलने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्हें अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए सरकार से बातचीत के लिए आगे आना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : अब सभा 'शून्यकाल' पर चर्चा करेगी।

....*(व्यवधान)*

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : महोदय, हम इस पर कुछ स्पष्टीकरण चाहते हैं। विपक्ष की नेता कुछ कहना चाहती हैं।

श्रीमती सोनिया गांधी (अमेठी) : महोदय, क्या मैं कुछ बोल सकती हूं?

अध्यक्ष महोदय : लोक सभा में इस तरह की परम्परा नहीं रही है।

....*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : जो परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, उसे किसी परम्परा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए....*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

श्री माधवराव सिन्धिया : लेकिन इस तरह का नरसंहार कभी नहीं हुआ, यह बहुत बड़ी त्रासदी है। ....*(व्यवधान)* इतनी अधिक संख्या में नरसंहार कभी नहीं हुआ। ....*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : आप अच्छी तरह जानते हैं कि इस सभा में, लोक सभा में इस तरह की कोई प्रक्रिया नहीं है।

....*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : सामान्यतः लोक सभा में किसी विवरण पर स्पष्टीकरण की अनुमति नहीं दी जाती है।

....*(व्यवधान)*

श्री माधवराव सिंधिया : यह बहुत बड़ी त्रासदी है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। ....*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ, इसलिए यह स्वाभाविक है और यही प्रश्नचिन्ह है। ....*(व्यवधान)* इतिहास में कभी इतनी क्रूर हत्या की बात नहीं हुई, जिसमें सौ से ज्यादा लोग मौत के घाट उतर जायें।....*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : एक विशेष मामले के रूप में, मैं विपक्ष की नेता को अनुमति प्रदान कर रहा हूं।

[हिन्दी]

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : उनका खून इनके माथे पर है, क्योंकि लापरवाही तो हुई है।....*(व्यवधान)* इससे हिंसा बढ़ी है। वहां जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उस बारे में यहां प्रश्न पूछना चाहते हैं।. ...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : एक विशेष मामले के रूप में, मैं विपक्ष की नेता को अनुमति प्रदान कर रहा हूं।

[हिन्दी]

श्री माधवराव सिंधिया : क्या यह उचित नहीं है?